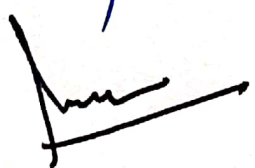


५२५

पत्रावली पेश की। प्राची व वकील प्राची अंगुलीयत
 बार-बार अवाज लगावती थी। अवाज लगावते से
 उपरान्त भी प्राची की ओर से कोई उपाय
 नहीं हुआ। अतः प्राची का प्राथम पत्र अमान्य
 अथवा टापी अथवा पत्र में खारिज किया जाय
 की पत्रावली के लिये शुद्ध होय नम्बर से कर
 होय अथवा खारिज हो।



(मुकेश चौधरी)
उपखण्ड अधिकारी
नीम का थाना